

# नाम हरि का हृदय से ना भूलो ये भुलाने के काबिल नहीं है



नाम हरि का हृदय से ना भूलो,  
ये भुलाने के काबिल नहीं है,  
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,  
ये गंवाने के काबिल नहीं है।bd।

तर्ज - ज़िन्दगी एक किराये का घर।

---

चोला अनमोल तेरा सिला है,  
जिसमे जीवन का फूल खिला है,  
स्वांस गिन गिन के तुझको मिला है,  
ये गंवाने के काबिल नहीं है,  
नाम हरी का हृदय से ना भूलो,  
ये भुलाने के काबिल नहीं है,  
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,  
ये गंवाने के काबिल नहीं है।bd।

---

इतने अनमोल जीवन को पाकर,  
खोज अपनी ना की मन लगाकर,  
वो तो भगवान के पास जाकर,  
मुँह दिखाने के काबिल नहीं है,  
नाम हरी का हृदय से ना भूलो,  
ये भुलाने के काबिल नहीं है,  
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,  
ये गंवाने के काबिल नहीं है।bd।

---

तूने नर तन भी पाके क्या कीता,  
ना पढ़ी ना सुनी भगवत गीता,  
साधु संयासी बन मन ना जीता,  
वो संत कहाने के लायक नहीं है,  
नाम हरी का हृदय से ना भूलो,  
ये भुलाने के काबिल नहीं है,  
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,  
ये गंवाने के काबिल नहीं है।bd।



नाम हरि का हृदय से ना भूलो,  
ये भुलाने के काबिल नहीं है,  
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,  
ये गंवाने के काबिल नहीं है। **bd**।

गायक / प्रेषक – मुकेश कुमार मीना ।  
(सुर संगम यूट्यूब चैनल)  
संपर्क – 9660159589